तेरी मुरली की धुन सुनने

तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ ।
मैं बरसाने से आयी हूँ, मैं वृषभानु की जाई हूँ ॥

अरे रसिया, ओ मन वासिय, मैं इतनी दूर से आयी हूँ ॥

सुना है श्याम मनमोहन, के माखन खूब चुराते हो ।
तुम्हे माखन खिलने को मैं मटकी साथ लायी हूँ ॥
तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ....

सुना है श्याम मनमोहन, के गौएँ खूब चरते हो ।
तेरे गौएँ चराने को मैं ग्वाले साथ लायी हूँ ॥
तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ....

सुना है श्याम मनमोहन, के कृपा खूब करते हो ।
तेरे गौएँ चराने को मैं ग्वाले साथ लायी हूँ ॥
तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ....

सुना है श्याम मनमोहन, के कृपा खूब करते हो ।
तेरी किरपा मैं पाने को तेरे दरबार आई हूँ॥
तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ....
t

eAstroHelp